Cellular Phones to Government Officers

1773. SHRI GOPALSINH G. SOLANKI: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) whether the Telecommunication Commission has recommended that cellular phones should be provided to Government officers; and

(b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF COMMUNICATIONS (SHRI BENI PRASAD VERMA): (a) Yes, Sir.

(b) The matter has been taken up with the Department of Expenditure, Ministry of Finance.

Sick Textile Mills in Maharashtra

1774. SHRI GOVINDRAO ADIK: Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) whether any sick textile mills in Maharashtra have been taken over by the NTC;

(b) if so, the details thereof; and

(c) the steps taken or proposed to be taken to revive these mills?

THE MINISTER OF TEXTILES (SHRI R.L. JALAPPA): (a) and (b) There are 35 nationalised mills under the National Textile Corporation in the State of Maharashtra. These mills were sick before their take over.

(c) Government had approved a Revised Turn Strategy based on the revival plan prepared by Textile Research Associations. An amount of Rs. 790.35 crores is proposed to be invested on the modernisation of 22 NTC mills in the State of Maharashtra. The funds required are expected to be raised entirely out of sale of surplus lands and assets of NTC mills. Since NTC (MN) and NTC (SM) have been referred to the BIFR, the modernisation plan has been placed before the BIFR for their approval before implementation.

भरूच से वापी तक के राष्ट्रीय राजमार्ग की मरम्मत किया जाना

1775. **श्री कनकसिंह मोहनसिंह मंगरोला:** क्या जल-भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि भरूच से वापी तक के राष्ट्रीय राजमार्ग पर मरम्मत की आवश्यकता है तथा उक्त मार्ग पर काफी यातायात का दबाव है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) वर्ष 1996-97 में अहमदाबाद से मुम्बई के बीच राष्ट्रीय राजमर्गा पर क्या-क्या सुधार किये जाने की संभावना है?

जल-भूतल परिवहन मंत्री (श्री टी०जी० वेंकटरामन): (क) राष्ट्रीय राजमार्ग 8 के भरूच-वापी खंड पर यातायात का अत्यधिक दबाव है और उपलब्ध संसाधनों के अंतर्गत इसे यातायात योग्य स्थिति में रखा जा रहा है।

(ख) भरूच-वापी खंड सहित राष्ट्रीय राजमार्गों के रख-रखाव और मरम्मत के लिए निम्नलिखित धनराशि जारी की गई:—

1994-95	1316.64 लाख रु०
1995-96	1745.20 लाख रु०
1996-97	391.30 लाख रु० (जुलाई, 96 तक)

(ग) राष्ट्रीय राजमार्ग 8 के अहमदाबाद-मुम्बई खंड में संभावित सुधारों के ब्यौरे इस प्रकार हैं:—

(i) 109/0 से 114/925 कि०मी० तक चार लेन बनाना।

(ii) 249/4 से 259/4 कि०मी० तक चार लेन बनाना।

(iii) 381/600 से 388/0 कि०मी० तक दो लेन वाली सड़क को सुदृढ़ बनाना।

(iv) 439/0 से 498/900 कि०मी० तक चार लेन बनाना।